IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 2, January 2023
Impact Factor: 7.301

महिलाओं में सांस्कृतिक एवं धार्मिक अभिरूचि का एक अध्ययन

डॉ. निशा सिंह
अतिथि विद्वान समाजशास्त्र विभाग
शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा (म.प्र.)

सारांश –

किसी भी क्षेत्र या समाज की संस्कृति की बाहिका महिलाएं है। महिलाएँ किसी क्षेत्र, वर्ग और समाज की समाजिक जीवन शैली, वहॉ की संस्कृति की आधार शिला है। खान–पान, रीति–रिवाज, वेश–भूषा, परिधान, मान्यताएं और परम्पराएं आदि ऐसे महत्वपूर्ण कारक है जो संस्कृति को जीवन्तता और अलग पहचान देते है। यह पहचान संबंधित क्षेत्र और निवास कर रहें समुदायों के पारम्परिक चिंतन और रीति–रिवाजों पर आधारित होती है। हर क्षेत्र और समुदाय के सांस्कृतिक चिंतन भिन्न–भिन्न होते हैं। उनके मनाने और प्रस्तुतीकरण के शैली में विविधता होती है। शैलीगत विविधता ही क्षेत्र विशेष की सांस्कृतिक पहचान है। अध्ययन क्षेत्र रीवा जिले की भौगोलिक और राजस्वीय संरचना विभिन्नता लिये हुये हैं। जिस कारण जिले की पूर्वी क्षेत्र की संस्कृति मिर्जापुर से, उत्तरी क्षेत्र की इलाहाबाद से, पश्चिमी क्षेत्र की बांदा से और दक्षिणी क्षेत्र की बुंदलखण्ड से प्रभावित है। जिले के दो भौगोलिक क्षेत्र तरहार एवं उपरहार में भी सांस्कृतिक एवं धार्मिक अभिरूचि में भी भिन्नता है।

मुख्य शब्द :– महिला, सांस्कृति, धार्मिक, अभिरूचि, रीति रिवाज आदि।

सन्दर्भ गन्थ सूची –

[1]. सक्सेना डॉ. दीपाली – भारतीय समाज एवं महिला सशक्तिकरण
[2]. डॉ अलका द्विवेदीः भारतीय समाज में महिलाओं की विकास यात्रा
[3]. राधा मिश्रः समाज में महिलाओं की सशक्त भागीदारी
[4]. डॉ कमलेशबाबू महिला अधिकार के सन्दर्भ में शैक्षिक परिदृश्य
[5]. अल्का द्विवेदी : भारतीय समाज में महिलाओं की विकास यात्रा
[6]. मागटेट वेन्कटेनः स्त्री मुक्ति का राजनीतिक अर्थशास्त्र
[7]. मीनाक्षी सिंहः महिला सशक्तिकरण का सच
[8]. डॉ प्रवीणा देवी महिला सशक्तिकरण आज के संन्दर्भ में
[9]. डॉ. नुसरत बानों : समान नागरिक संहिता का महिला पक्ष
[10]. मंजुला श्रीवास्तव : संवैधानिक परिदृश्य में महिला सशक्तीकरण